

22

80

22

कं का नि का न
वी नि सु ण म्म

१२५

अश्विन मन्त्रालय
ASHWIN MANTRALAY

3006

ॐ नमः श्री गुरुभ्यो ॥
अथ वरुण विधि लिख्यते
॥ इत्यादि यत्तु वासन
अथ यत्तु कमल वाय
॥ (थ) कोयला कथ ॥ का
यलासु यत्तु सा उमा म
हेश्वर या मूर्ति यत्तु
कथ ॥ मदन सा क्रमः
कथ ॥ ॥ गमय
म ॥ गमय सा कथ यत्तु
जा सिधव मूढ मालः
का समस्त वाय ॥ (थ)
नधून दाव ॥ ॥ जिना
यम् ॥ लख क ॥ गमय
काया व ॥ स्या यथाय ॥

कायव

अथादि ॥ वाय ॥ श्री ३
वस्तुनी रुग्दी श्वयम्
नक उं श्री स्या यथा
द्यो नमः ॥ यथ नमः ॥
यत्तु वायम् ॥ गमय ॥
उं देवी वन का मिनी
माय रुद्र ॥ कथ ॥ गमय
नं ॥ ॥ उं देवी वन का
मिनी अथु सा यत्तु
॥ ॥ उं मित्र वं वना जा
यती रुद्र नमः ॥ उं
उं लाय विना मनी
मक्ष माये नमः ॥ उं
गदिग या यत्तु गमय
जिनी अमा मि कायेन

ॐ वंद्यं वल्लभं नाथनी
कमिष्टाय नमः ॥ ॐ
दवी वल्लभा मिती कन
कलाय नमः ॥ कने वष
उरु न्यासः ॥ ॥ उल
पा रुज्य पा रु वृक्षा ॥
यन्मतादिना लमष्टुका
॥ कन्या ॥ वक्षा मगरी
यकिष्टुका ॥ ॐ गरी यरु
य नमः ॥ ॐ यमोदवा
य नमः ॥ ॐ यशुरुसा
य नमः ॥ ॐ एकदन्ता
य नमः ॥ ॐ विद्यनादा
य नमः ॥ ॐ मुखकवा
हनाय नमः ॥ ॐ पार्थ

नीह दयाय नमः ॥ ॐ
हनय वा ॥ दिष्टुष्टु
वाय नमः ॥ ॐ कन्या
शाष्टुका ॥ ॥ कनीः
॥ मगरी ॥ ॐ न
न्दाय नमः ॥ ॐ सू न
न्दाय नमः ॥ ॐ सुणी
लाय नमः ॥ ॐ कपि
लाय नमः ॥ ॐ यश
रुमाह का न्या नमः
॥ ॐ किष्टुका ॥ मगरी
का ॥ ॥ कनी ॥ कन्या
कुका ॥ ॐ वक्षा ॥ ॐ न
मः ॥ ॐ माह रुष्टु न
मः ॥ ॐ का माय नमः
॥ ॐ वक्षुय नमः ॥

ॐ वा नाथ नमः॥ ॐ
ॐ लो नमः॥ ॐ
ॐ वा नाथ नमः॥ ॐ
ॐ महा लो नमः॥ ॥
ॐ मि का मा नी पूजा॥
ॐ ना ना स न पूजा॥
ॐ गु न्ना नमः॥ ॐ
ॐ न न्दि न नमः॥ ॐ म
ॐ हा का ला य नमः॥ ॐ
ॐ ध मा य नमः॥ ॐ अ
ॐ ध मा य नमः॥ ॐ वि
ॐ रा हा य नमः॥ ॐ न
ॐ ध मा य नमः॥ ॐ न
ॐ ध मा य नमः॥ ॐ म

ॐ नाथ नमः॥ ॐ अ
ॐ वा नाथ नमः॥ ॐ
ॐ अ ने ध यो य नमः॥
ॐ अ ध धु न्दा य न
ॐ मः॥ ॐ दु र्ध धु न्दा य
ॐ नमः॥ ॐ आ वा रु ना दि
ॐ व ल्द ना क न पू र्ण नः
ॐ मः॥ ॐ अ ध ध ग ण क
ॐ य नमः॥ ॐ अ न ना
ॐ स ना य नमः॥ ॐ अ
ॐ न्दा स ना य नमः॥ ॐ
ॐ ना ला स ना य नमः॥
ॐ य ना स ना य नमः
ॐ मः॥ ॐ क ण ला स ना
ॐ य नमः॥ ॐ क ण ला

सनायनमः॥ॐ प्रः
भासनायनमः॥ॐ
दुषासनायनमः॥
ॐ सिंहनायनमः
॥॥ ~~नमो भगवते~~ ॥॥
ॐ सर्ववर्षुवर्षुदीपा
काकिनजाकमलान
ना। सिंहपद्मासमा
सीना। सर्वालीकाम
रूपिता॥ यदुदुका
महादेवी कटाखन्द
न्दमलिका। नीलास्य
लारुयावामदन्तिः
एवमदाष्टुका॥ स्वः

इयमधवावाध्ववा
मदक्रियायाकमाकू।
सर्वलक्षणसंपूर्णः
स्वस्वनीयनभध्वनी
॥ॐ निधमनपूषीतः
मः॥ ॥ ~~आवाहन~~ ॥
स्वस्वनीदवीमूलय
ॐ हागच्छ २ ॐ हतिः
सु२तमः॥ ॥ ~~युक्त~~
नः॥ ॐ ~~सुस्थलमा~~
शसुविर्गतीविस्था
नमः॥ ॐ ॐ न्यादिः
लोकपालस्यानमः॥
॥ ॐ वदामाशसुमा

ह का स्था न म ४॥ ॐ ॥
 छ य न म ४॥ ॐ लः
 झ न म ४॥ ॐ रु याः
 य न म ४॥ ॐ रि रु या
 य न म ४॥ ॐ अ ङि ना
 य न म ४॥ ॐ अ ष या
 ङि ना य न म ४॥ ॐ रु
 क न्ये न म ४॥ ॐ रु रु
 ने न म ४॥ ॐ मा हि ने
 न म ४॥ ॐ आ क ष ए
 न म ४॥ ॐ अ सि नाः
 झ अ ष रु व व स्था न
 म ४॥ आ वा रु ना दि च
 न्द ना रु न य र्थ न म

४। कनी मूल यूडा ॥ ॐ
सर्वया पिती स्वस्वा न्ये
नमः ॥ ॐ गम सा रुद्रि
न्ये नमः ॥ ॐ वा दू गम
य नमः ॥ ॐ व क ल्ये
नमः ॥ ॐ शु का ये नमः
॥ ॐ म शु का ये नमः
॥ ॐ उ दू पा ये नमः ॥
कन ॥ स्नाने ॥ ॐ सर्वती
र्थ मयै य द्या गंग नि
यथ गम मिनी । कस्य द
द्या स मा दाय स्नाने व
युति गृह्यतां ॥ ॥ वरु
॥ वरु का यो स को ल्ये

विष्णु लीला सुकुनि मि
नी। गृध्र नाथ विदुः सल
का मलं यदृ संपूर्ण ॥
वन्दन ॥ ह्री पातु न स
मस्तु त्वं ददा नाथि नः
मघिया। वाकानं सद्य
वृक्षाणां वन्दनं यति
गृध्र नाथ ॥ ॥ मगध
वन्दन ॥ कर्पूनामुनि
कम्पूनी नाना गन्ध वि
मिश्रिणी गृध्र नाथ मंग
ला ॥ अथ नथ दवीय
सी दम ॥ ॥ अथ
वीर ॥ अथ मन्त्र सु

युष्मै मयवीरं सु ॥ ॥
हिनी गृध्र नाथ विदुः
लुगं महादवीरु ल
यदं ॥ ॥ दूधिका ॥
दूधिका नयनं दिव्यं स
र्वपूया रुमा रुमी ॥ अ
ष्टाष्टादक संयुक्तं ॥
ॐ दवीय सी दम ॥ ॥
नियामा रुल ॥ दूधिका
यथा ॥ अथ सदि नं यथा
॥ मंगल युदं यसी
ददवद विलं गृध्र नाथ
यन मे ॥ अथ ॥
नाथाना ॥ अथ नाथ

वयुष्यादि सुगन्ध
वद्रुधाकलाशगन्धिः
कानिष्ठमिस्तुर्न लो
त्रीकवीनमास्तुर्न ॥
मालास्वान ॥ मालाः
निष्ठसुगन्धानि माः
लानि विविधानि वा
मया दत्तानि पूजार्थं
गृह्णन्ति यत्र मध्यवीः
॥ ~~यथा~~ ॥ यथा मत्र
सिद्धं ज्ञानं लक्ष्मीवास
गृहात्मनी ॥ गृह्णन्ति
उगन्मात्रं मद्रा यथा
प्रसीदत ॥ ~~उत्प~~

प्रसदत ॥ ~~उत्प~~

ल ॥ नीलात्यलमयं
दियं य विरुं नि यत्रः
लक्ष्मी ॥ मद्रा विमर्ह
मनि गृह्णन्ति मूल्यं
कव ॥ ~~यथा~~ ॥ क
न्यार्थं रुद्रा सज्जानं स
वैदव यियं कवी ॥ गृह
गृह्णन्ति मद्रा दविद
मर्तं कव वल्लक्ष्मी ॥
धृय ॥ नमो नृपुत्रं
युक्तं दग्धा विल्व मथा
यिव ॥ अन्तिष्ठ मस्य
यत्नं स्य रुलं याया नि
मानव ॥ ~~दीपा~~

98

श्री ४३१: ३३३

२३० १०२२११११

ॐ नमस्तुते नमः॥ स्रष्टुति नमस्तुते वन्द्यका म
दयी वि

सुभाषित
सुभाषित

3006

मा हं लु मं ह ला ख उ
घ न्द वि स्था ग्नि नं रु मं
नि धा नं द वि दी धा
यं नि मि र्म र्म व रु कि
न ॥ ॥ ने व श ॥ ने
व शं गृ ह्म नं द वि रु
किं म ज्ञ य ल कि न् ॥ नी
वि र्म म व र्म द वि य न
क व य न्म ग नि ॥ ॥
य न म श्च नी म क क म
न ॥ ॐ व न न ला य न
म ॥ ॐ ग ल ॥ म य न
म ॥ ॐ क न्दा य न म
॥ ॐ मा ध वा य न म ॥

१५
॥ ॐ मा न दा ये न म ॥
॥ ॐ ल श्चि न म ॥ ॐ
य न ला का य न म ॥
ॐ ग न्ध र्व ला का य न
म ॥ ॐ कि न्न न ला का
य न म ॥ ॐ ग म धा ल
ला का य न म ॥ ॐ दं
व क न्या ये न म ॥ ॐ
स्व र्म ला का य न म ॥
॥ ॐ आ गृ ह्म नी श्च
वा य न म ॥ ॥
न म य वि य ॥ अ य
दि ॥ वा य ॥ ॥ अ
य र्म य व द य नि ॥ ॥

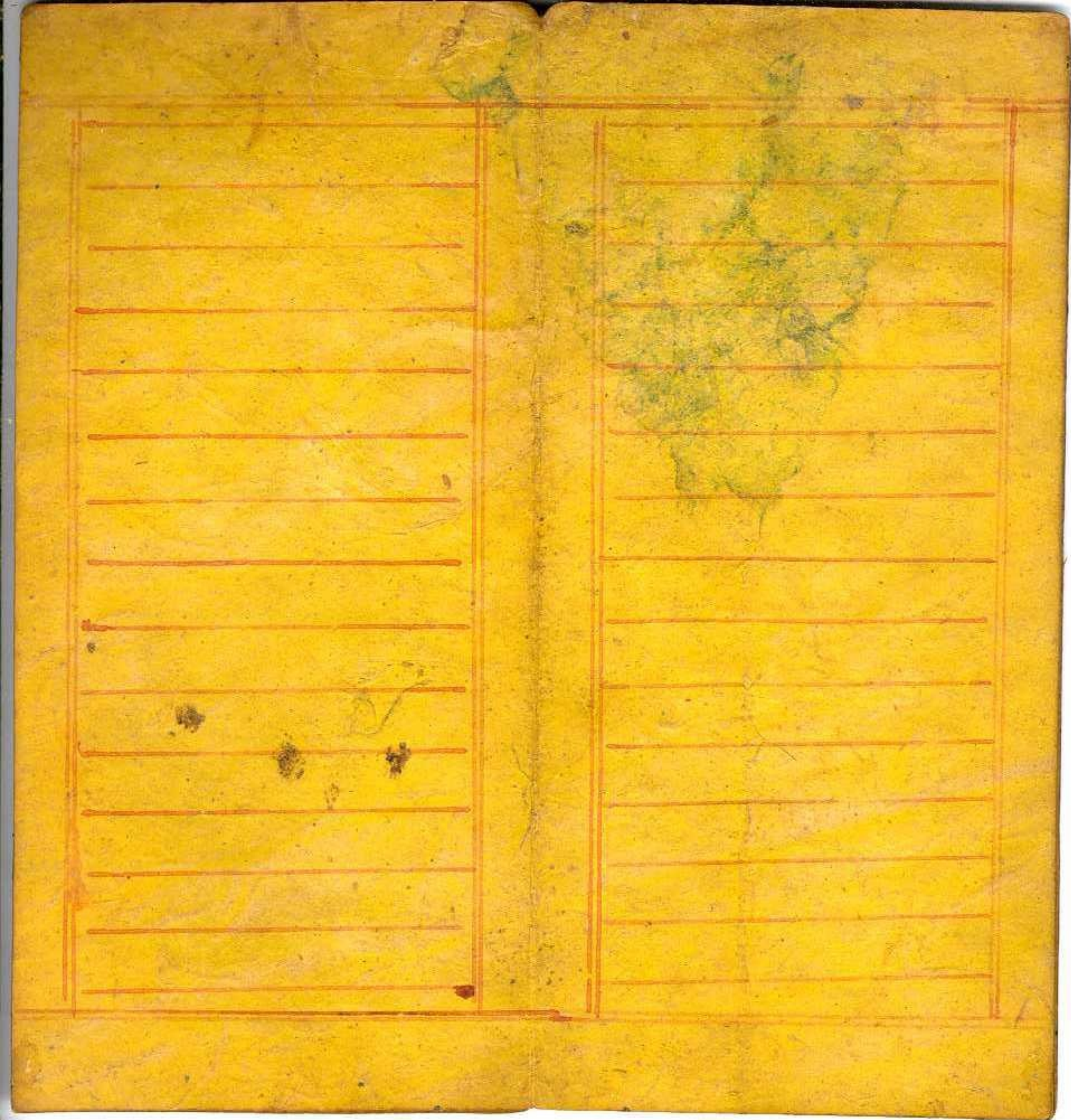
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

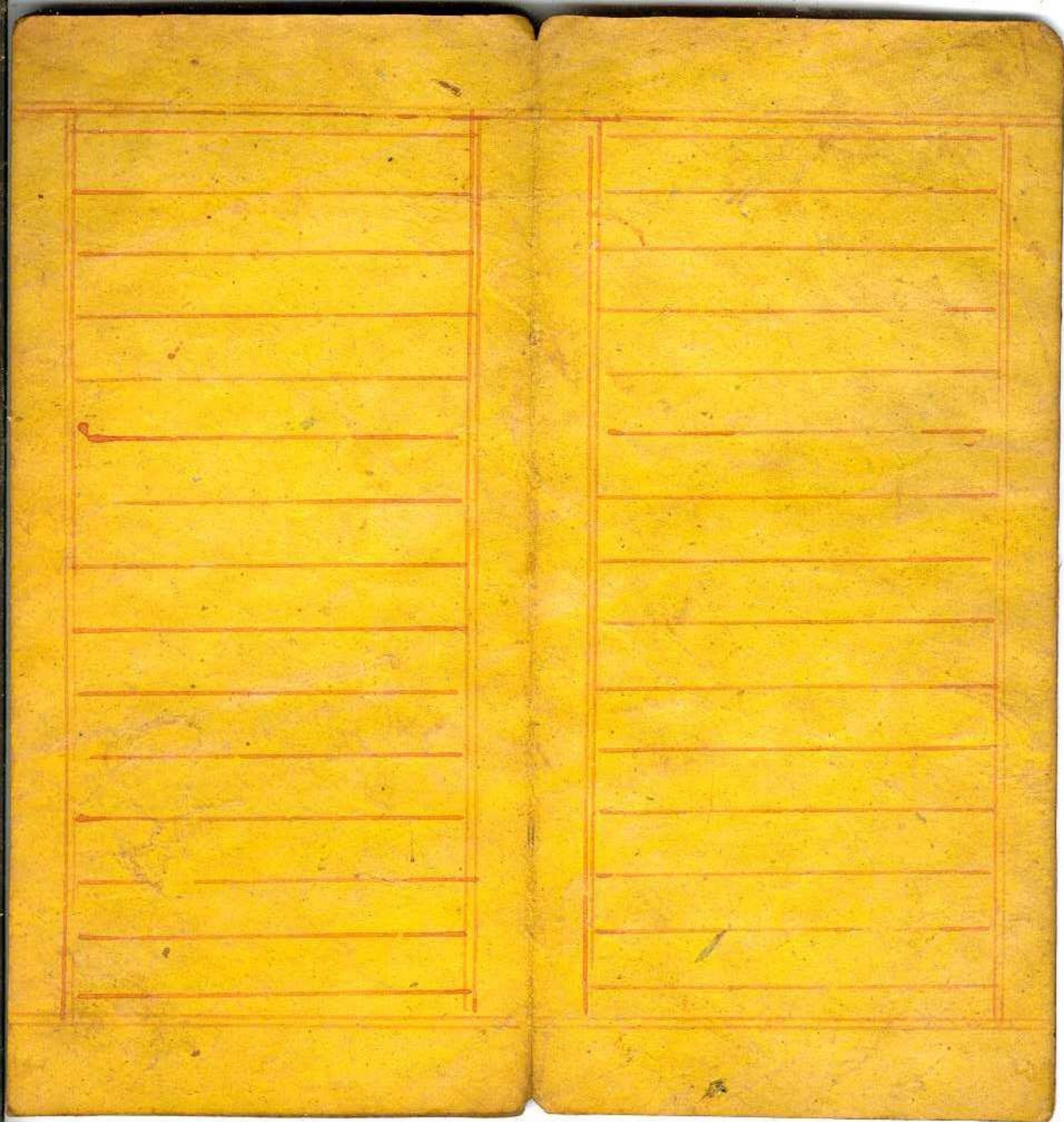
सार्धं ॥ ॥ अङ्गुल
 न्यादि ॥ ॥ पुदकि
 एत ॥ न मरुकाद ॥ ॥
 धना, देव, रु, द, कि
 एत क्वायके ॥ ॥ धना
 वारवा के न ॥ वाखा
 धूनदाव ॥ वाक्का
 दूजा ॥ दकि एत ॥ ॥
 वन्दनादि ॥ स एतः
 नविद्य ॥ ॥ विमर्क
 न ॥ गङ्गुगङ्गुयनीह
 नी ह्यह्नी नीङ्गदी
 एतनी ॥ वष्ववष्वक
 धन, पुननागमनी
 रुव ॥ ॥ अकि एत

विद्य ॥ सकलसं ॥ व
न्दनादि विद्य ॥ स्नान
का काय ॥ सिंधनमः
दलवक्राय ॥ स्नानः
विद्य ॥ माद न वक्राय
॥ अग्निर्वाय ॥ ॥
नमः ॥ सूर्या सा कीर्त्त
य ॥ नास्व तमील द
यक ॥ कस्नानकाया
व मल्लुलसर्गन ॥ ॥
अस्मन्स्वस्मान्नीवर्ग
संयुक्तु विरक्षी सा कि
ल्लिप्ती सूर्याय अर्घ्यं
नमः ॥ पूर्यं नमः ॥ ॥

नमः ॥ पूर्यं नमः ॥ ॥

ॐ तिस्वस्मान्नीवर्ग
विधिः ॥ समाय ॥ ॥
ली ३ स्वस्मान्नीयति
नमः ॥ ॥ शुभम्
सर्वलाकस्य लेश्वक
स्य वली ३ स्वस्वदवी
यीति नमः ॥ ॥ शुभम्





२६ नमो महो नवायमः